Roll No. .....

Y – 3262

M.A. (Hindi) (Second Semester) EXAMINATION, May/June-2021

Paper – 202

ADHUNIK HINDI GADHYA AUR USKA ITIHAS

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) *Minimum Pass Marks : 29*

Maximum Marks : 100 (For Private Students) *Minimum Pass Marks : 34*

नोट– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए– 17/20

(अ) बहुत छुटपन से ही मैं स्त्री का सम्मान जानता हूँ। साधारणत: जिन स्त्रियों को चंचल और कुल भ्रष्टा माना जाता है, उनमें एक दैवी शक्ति भी होती है, यह बात लोग भूल जाते हैं। मैं नहीं भूलता। मैं स्त्री–शरीर को देव–मन्दिर के समान पवित्र मानता हूँ। उस पर की गई अनुकूल टीकाओं को मैं सहन नहीं कर सकता।

(आ) श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिये कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिसके किसी अंश पर चाहे हम व्यष्टि रूप में उनके अन्तर्गत न भी हों जानबूझकर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिसका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है।

(इ) बचन सिंह अवाक् ताकता रह गया और चन्दा ऐसे वापस लौट पड़ी, जैसे किसी काले पिशाच के पंजों से मुक्ति मिली हो। बचन सिंह के सामने क्षण–भर में सारी परिस्थिति कौंध गई और उसने वहीं से बहुत संयत आवाज में जबान को दबाते हुए जैसे बड़ी धीमी आवाज में—चन्दा! वह आवाज इतनी बेआवाज थी और निरर्थक होते हुए भी इतनी सार्थक थी कि उस खमोशी में अर्थ भर गया।

इकाई-II

2. बाणभट्ट की आत्मकथा उपन्यास के कथानक की समीक्षा कीजिए। 17/20

इकाई-III

3. अशोक के फूल निबन्ध की समीक्षा करते हुए, निबन्ध के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। 17/20

इकाई-IV

4. आकाशदीप कहानी की समीक्षा कीजिए। 17/20

इकाई-V

5. महादेवी जी द्वारा रचित संस्मरण 'प्रणाम' का सारांश लिखिये। 17/20